एक नजर में

सद्भावना मंच ने पुलिस स्मृति दिवस मनाया

खंडवा। सद्भावना मंच ने पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिसकर्मियों के बलिदान को नमन किया। सद्भावना मंच के सदस्य कमल नागपाल ने बताया कि मंच के माली कुआं स्थित कार्यालय में आज शाम आयोजित कार्यक्रम में संस्थापक प्रमोद जैन ने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में 10 जवान मां भारती की गोद में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। आज का दिन उनके बलिदान को सदैव याद करने के लिए मनाया जाता है। आपने कहा कि विगत 10 वर्षों में 10,000 से भी अधिक पुलिस कर्मी शहीद हो गए। दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। सद्भावना मंच ने सभी से अपील की है कि प्रत्येक पुलिसकर्मी का सदैव सम्मान किया जाना चाहिए। पूर्व डीएसपी आनंद तोमर ने कहा कि मेरे 9 साथी एनकाउंटर में मारे गए, उनको याद कर मन भर आता है। सद्भावना मंच के संस्थापक प्रमोद जैन, पूर्व डीएसपी आनंद तोमर, ज च चौरे, गणेश भावसार, त्रिलोकचौधरी, ओम पिल्ले, राधेश्याम शाक्य, कमल नागपाल, महेश मूलचंदानी, योगेश गुजराती, मुरली कोडवानी, अनूप शर्मा, मनीष गुप्ता, अशोक पारवानी, सुनील सोमानी, राजेश पोरपंथ, करण लखौरे, सुभाष मीणा और कैलाश पटेल आदि उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के मोक्ष कल्याण दिवस पर दिगंबर जैन मंदिरों में प्रात :काल चढ़ाया गया लाडू

खंडवा। दीपावली महोत्सव के पश्चात अलग-अलग समाजो, सामाजिक संस्थाओं द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित होते हैं। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी समाज जनों के सहयोग से नवकार नगर जैन मंदिर ट्रस्ट मंडल के द्वारा नवकार नगर में दीपावली मिलन समारोह आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में समाज जनों ने उपस्थित होकर एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर प्रसादी ग्रहण की। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि दीपावली पर्व भगवान श्री राम के 14 वर्ष के वनवास उपरांत अयोध्या पहुंचने के उपलक्ष में उत्साह के साथ के साथ मनाया जाता है, वही जैन धर्म में कार्तिक कृष्ण की अमावस्या की प्रात : बेला में भगवान महावीर स्वामी ने मोक्ष प्राप्त किया था इस हेतु दिगंबर जैन समाज भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक के दिन दीपावली महोत्सव लाडू चढ़ाकर मानते हैं। सुनील जैन बताया कि अमावस्या के दिन प्रात : काल सभी समाज जनों ने परिवार सहित बजरंग चौक स्थित महावीर दिगंबर जैन मंदिर, सराफा स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर, मोधट रोड आदिनाथ जैन मंदिर, सेठी नगर चंद्र प्रभु जैन मंदिर, कहान नगर आदीनाथ जैन मंदिर के पश्चात नवकार नगर पहुंचकर मुनीसुव्रत दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन कर लाडू चढ़ाया। नवकार नगर मंदिर में शांति धारा करने का सौभाग्य सुरेश मीना जैन परिवार को प्राप्त हुआ वही लाडू चढ़ाने का सौभाग्य स्वर्गीय लख्मीचंदजी पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। सभी समाज जनों ने लाडू चढ़ाकर नवकार नगर ट्रस्ट मंडल द्वारा आयोजित नवकार ग्राउंड पर दीपावली महोत्सव के मिलन समारोह में उपस्थित होकर एक दूसरे को दीपावली महोत्सव की बधाई दी एवं स्वल्पाहार की प्रसादी ग्रहण की। आयोजित दीपावली महोत्सव मिलन समारोह मैं नवकार नगर दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष पंकज छाबड़ा, मंदिर के ट्रस्टी मनीष पाटनी, अजय पाटनी, आयुष पटौदी, शैलेंद्र बेनाडा, तरुण गंगवाल, पियूष पहाड़िया, सुलभ सेठी, मनीष सेठी द्वारा समाज जनों के सहयोग से आयोजित हुआ। समारोह का संचालन देश के प्रसिद्ध एंकर प्रदीप जैन द्वारा किया गया। अंत में आभार अध्यक्ष पंकज छाबड़ा ने माना।

जेसीआई ने जिला अस्पताल में मनाया दीपावली का त्योहार

खण्डवा। खंडवा जेसीआई द्वारा दीपावली का पर्व जिला अस्पताल में बनाया गया, मरीजो के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रभु से प्रार्थना की, मरीजों एवं परिजनों साथ ही कार्यरत डॉक्टरो एवं नर्सो को भी मिठाई खिलाई, बच्चों के साथ फुलझड़ी जलायी। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अनिल बाहेती ने कहा कि लोगों के दुखों में शामिल होना मानवता है, अध्यक्ष सुजाता मोरे ने कहा अच्छा लगता है जब हम खुशियां मिलकर बांटते हैं, समाजसेवी सुनील जैन ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कि बताया कि इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष नागेश वालंजकर ,ज्योति वालंजकर , हेमंत मुंदड़ा, डा .अनिल पटेल, डॉ मेघा प्रजापति, नूपुर मोरे, जगदीश पटेल, मनन सोनी, समाजसेवी नारायण बाहेती सुनील जैन आदि उपस्थित रहे।

विश्रुत सागर महाराज के सानिध्य में पार्श्वनाथ जैन मंदिर में आज चढ़ेगी नवीन धर्म ध्वजा

खंडवा। श्री पार्श्वनाथ पोरवाड़ दिगंबर जैन मंदिर सराफा खंडवा में आज 22 अक्टूबर बुधवार को प्रात : 8 .30 बजे से मंदिर जी के तृतीय तल पर नवीन ध्वजारोहण करने का कार्यक्रम उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में एवं पंडित निखिलेश जैन के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान जी के शिखर पर नवीन ध्वजारोहण करने का सौभाग्य देवेंद्र कुमार सुरेंद्र कुमार सराफ परिवार को प्राप्त होगा एवं श्री आदिनाथ भगवान जी के शिखर परनवीन ध्वजारोहण का सौभाग्य श्रीमती विजया पहाड़िया कैलाश पहाड़िया परिवार को प्राप्त होगा। शिखर पर नवीन ध्वजा चढ़ाने के बाद पुरानी ध्वजा सहसम्मान ध्वजा चढ़ाने वाले परिवारों को सौंपी जाएगी एवं मंदिर जी मे कार्यरत सेवादारों का सम्मान भी किया जाएगा। पोरवाड़ दिगंबर जैन समाज के मीडिया प्रभारी प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर समाज अध्यक्ष वीरेंद्र भटयांण, सचिव नितीन जैन, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, कोषाध्यक्ष संतोष जैन बॉस सहित ट्रस्टीगण राजेश

पुलिस स्मृति दिवस : शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित

नवभारत न्यूज

खंडवा । प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री विजय शाह ने मंगलवार सुबह पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर खंडवा के पुलिस परेड ग्राउंड स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि शहीद पुलिसकर्मियों के त्याग और बलिदान ने हमारी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की है। मंत्री ने परेड के बाद खंडवा जिले के शहीदों के परिजनों को शाल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस श्रद्धा, स्मरण और संकल्प का दिन है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे वीर साथियों की स्मृति को समर्पित है। पुलिस अधीक्षक श्री राय ने इस अवसर पर विगत वर्ष शहीद हुए 191 पुलिस जवानों के नामों का वाचन किया। कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री राय ने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को 16 हजार फिट की ऊंचाई पर हॉट स्प्रिंग लद्दाख में सीआरपीएफ के 10 जवानों ने देश के लिए अपने प्राणों की शहादत दी थी। उन्ही की स्मृति मे प्रतिवर्ष जिला स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप मे मनाया जाता है।

उन्होंने बताया कि पूरे देश में पुलिस व अर्धसैनिक बल के कुल 191 अधिकारी और जवानों ने विगत वर्ष मे देश की आंतरिक सुरक्षा को अक्षुण्य बनाये रखने के लिए अपने उच्च कर्तव्य परायणता को दिखाते हुए सर्वोच्च बलिदान देकर वीरगति को प्राप्त हुए हैं। इनमें मध्यप्रदेश के 11 अधिकारी और जवान थे, जिन्होंने अपनी शहादत दी है। उन्होंने बताया कि खंडवा जिले में पदस्थ निरीक्षक संजय पाठक भी ड्यूटी के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए थे।

कार्यक्रम में अधिकारीगण और शहीदों के परिजन भी उपस्थित थे।

पुलिस स्मृति परेड दल का नेतृत्व सूबेदार धरम सिंह जामोद द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में महापौर अमृता अमर यादव, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय और जिला भाजपा अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद थे।

भटकी नाबालिग बालिका को समिति ने परिजनों को सौंपा

नवभारत न्यूज

खंडवा। दिपावाली का माहौल था घरों में दीप जले, मिठाइयों की खुशबू फैली और हर तरफ खुशियाँ थी। लेकिन खंडवा रेलवे स्टेशन पर कुछ और ही कहानी चल रही थी। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले की कक्षा 12 वीं की 17 वर्षीय नाबालिग लड़की, जिसकी आँखों में उलझन और मन में डर था, मोबाइल को लेकर अपनी बड़ी बहन से झगड़े के बाद स्कूल से ऑटो में बैठकर भाग निकली और गोरखपुर से कुशीनगर एक्सप्रेस में बैठकर मुंबई जाने की योजना बनाने लगी।

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि नाबालिक बालिका अपने गुस्से और भावनाओं में इतनी उलझी हुई थी कि उसे नहीं पता था कि उसके कदम गलत दिशा में जा रहे हें, भागते-भागते लड़की की राह खंडवा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी पुलिस ने रोक दी और उसे सुरक्षा के लिए बाल कल्याण समिति खंडवा के समक्ष प्रस्तुत किया।

दिवाली की रौशनी के बीच, अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने न्यायालय खुलवाया उन्होंने न केवल कानूनी रूप से बल्कि मानवता और संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से लड़की की स्थिति समझी। उनकी बातों में न सख्ती थी, न गुस्सा - केवल समझ और मार्गदर्शन था। धीरे-धीरे लड़की का डर कम हुआ, उसकी आँखों में रोशनी लौट आई।

लड़की ने अपने कार्य पर खुलकर स्वीकार किया कि उसने गलती की। उसने समिति को विश्वास दिलाया कि अब वह घर से अकेले नहीं निकलेगी। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि समिति के अध्यक्ष श्री शर्मा एवं समिति के सदस्यों ने उसे समझाया कि आवेश में उठाया गया कदम जीवन के लिए जोखिम भरा हो सकता है और सही निर्णय ही भविष्य बदल सकता है।

फिर आया वह पल, जब लड़की को लेने उसकी वही बड़ी बहन आई, जिससे झगड़ा हुआ था। दोनों बहनों की आँखों में अब गुस्सा नहीं, बल्कि अपनापन और समझ थी। समिति ने उन्हें सकारात्मक संवाद, विश्वास और प्रेम बनाए रखने की सलाह दी।

परिजन गहराई से प्रभावित हुए और उन्होंने कहा, "शुक्रिया।" उस रात न केवल घर में दीप जल रहे थे, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और प्यार की रोशनी भी फैली।

इस अवसर पर समिति के सदस्य मोहन मालवीय, रुचि पाटिल, कविता पटेल और स्वप्निल जैन उपस्थित रहे, मुख्य धारा में यह संदेश फैलाते हुए, प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में समिति पहले भी समाज के सामने कई प्रेरणादायक उदाहरण ला चुकी है। इस दिवाली उन्होंने फिर दिखा दिया कि समय पर न्याय और संवेदनशील कार्यवाही से बच्चों और परिवारों की जिंदगी बदल सकती है।

श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया पुलिस स्मृति दिवस

नवभारत न्यूज

ओंकारेश्वर । सीआईएसएफ ओंकारेश्वर पावर स्टेशन इकाई, खंडवा में 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस श्रद्धा, गरिमा एवं पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत शोक शस्त्र की प्रस्तुति से हुई, जिसके बाद उल्टे रखी बंदूक पर हेलमेट के साथ पुष्पचक्र अर्पण कर शहीदों को नमन किया गया। जहां सभी ने शहीदों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

पुलिस स्मृति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पूरे देश में मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में हुई उस वीरगाथा की स्मृति में की गई थी, जब 10 सीआरपीएफ जवानों ने देश की रक्षा करते हुए चीनी सेना से मुकाबले में अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। तब से यह दिवस उन सभी पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के शहीदों को समर्पित है जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस अवसर पर पिछले वर्ष शहीद हुए छह सीआईएसएफ कर्मियों के नाम सम्मानपूर्वक पढ़े गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इन सभी वीर जवानों को उनके अतुलनीय साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के लिए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके नाम पढ़े जाने के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में सीआईएसएफ ओंकारेश्वर पावर स्टेशन खंडवा के सभी अधिकारी एवं जवानों ने भाग लिया और राष्ट्र सेवा, अनुशासन तथा बलिदान की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि सीआईएसएफ बल सदैव देश की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए समर्पित रहेगा।

श्वानों की नसबंदी और वैक्सीनेशन अभियान जारी

नवभारत न्यूज

खंडवा। शहर में पशु कल्याण एवं जनस्वास्थ्य की दृष्टि से नगर निगम खंडवा द्वारा संचालित श्वान नसबंदी एवं वैक्सीनेशन अभियान निरंतर जारी है। मंगलवार को इस अभियान का छठवां कैंप आयोजित किया गया।

कैंप में भैरव तालाब वार्ड क्रमांक 30 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों सन्मति नगर, भैरव मंदिर रोड, इंदौर रोड एवं कावेरी स्टेट से श्वानों को पकड़कर नसबंदी एवं वैक्सीनेशन की कार्यवाही की गई। इस दौरान मेल श्वान 35 एवं फीमेल श्वान 12 सहित 47 श्वानों का वैक्सीनेशन किया गया। अब तक संचालित सभी शिविरों के माध्यम से कुल 262 श्वानों का टीकाकरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

साथ ही, आईईसी टीम द्वारा नागरिकों को जागरूक किया गया कि श्वानों को अपने घर के सामने भोजन न दें, बल्कि ऐसे सुरक्षित स्थानों पर भोजन दें जहाँ बच्चों एवं बुजुर्गों का आवागमन न हो। नागरिकों को यह भी बताया गया कि श्वानों को मारना या जान से हानि पहुँचाना एक दंडनीय अपराध है तथा जिन स्थानों से श्वानों को पकड़ा जाता है, उन्हें नियमानुसार उसी स्थान पर पुन: छोड़ा जाना अनिवार्य होता है।

इस अवसर पर चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी फॉर ह्यूमन काइंड, भोपाल से डॉ.दुर्गेश यादव एवं उनकी टीम उपस्थित रही जिन्होंने निगम कर्मियों के साथ मिलकर संपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न किया। नगर निगम खंडवा द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और शहर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं संवेदनशील बनाए रखने में अपना योगदान दें।

दर्शन-लाभ दीपावली पर श्री महालक्ष्मी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

महालक्ष्मी मंदिर में हुई विशेष महाआरती, रात्रि में हुआ कौशांबा पूजन

नवभारत न्यूज

खण्डवा। माता लक्ष्मी की आराधना का पर्व दीपावली श्रद्धा उत्साह के साथ धूमधाम से महालक्ष्मी मंदिर में मनाया गया। सुबह 5 बजे से ही दर्शनार्थियों का तांता मंदिर में लगा जो रात्रि 12 बजे तक निरंतर चलता रहा। मंदिर रात्रि 5 बजे तक भक्तों के लिए खुला रहा। उत्सव के चलते मंदिर ट्रस्ट ने विशेष व्यवस्थाएं की थी। लगभग 1 लाख से अधिक भक्तों ने धन की देवी माता लक्ष्मी के दर्शन कर पुण्य का लाभ लिया ।

ट्रस्ट कोषाध्यक्ष शैलेष पालीवाल ने बताया कि दीपावली के दिन प्रात: मंदिर में प्रात: 5.30 बजे मंगला आरती, 6 बजे कांकडा आरती, केसर कस्तूरी इत्र का लेपन किया जाकर विशेष श्रृंगार आरती 8 बजे, 9 बजे यम दीपदान, 10 बजे विशेष पूजन कुमकुम अर्चन, 12 बजे नैवेद्य आरती हुई। पांच विद्वान ब्राह्मणों द्वारा मंदिर गर्भगृह में प्रदेश एवं खण्डवा नगर की खुशहाली, सुख शांति के लिए श्रीसूक्त और ललिता सहस्त्रनाम स्त्रोत का पाठ शाम तक चलता रहा । शाम 7 बजे विशेष कुबेर पूजन, रात्रि 8 बजे महालक्ष्मी की 108 दीपकों से विशेष महाआरती से पहले माता लक्ष्मी को मखाना एवं गन्ना एवं स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार के बाद महाआरती की गई। भक्तों ने माता को कमलपुष्प, खील बताशे, शहद, मिठाई, सिंघाड़ा, साडी, सुहाग का सामान एवं श्रीफल भेंट किये।

रात्रि 12 बजे भव्य आतिशबाजी भी की गई। रात्रि 1.45 बजे महानिशा काल सिंह लग्न में दक्षिण भारतीय पद्धति से मंदिर पुजारी पं. बसंत महोदय द्वारा विशेष कोशाम्बा पूजा संपन्न कराई गई।

कोशांबा पूजन में साढे नौ मीटर की कत्थाई रंग की कोसा की विशेष साडी माताजी को मध्य रात्रि में पहनाई गई जो साल में सिर्फ दीपावली के दिन ही पहनाई जाती है और यह साडी रात्रि में पहनाने के बाद सूर्योदय से पहले बदल दी जाती है। इस पूजन के दर्शन का बहुत ही महत्व है सिर्फ दर्शन मात्र से ही पुण्यफल की प्राप्ति होती है। इस विशेष कौशाम्बा पूजा में दीपक पालीवाल, माधव पालीवाल, शुभम खंडेलवाल, अनुज, आरूषि खंडेलवाल, शरद खण्डेलवाल ने पूजन पर बैठकर कुमकुम, केसर, गौ दूध, किसमिस, मनुक्का तथा माता का प्रिय कमल पुष्प से ललिता सहस्त्रनाम से अर्चन अभिषेक के बाद 64 योगिनी की पूजा कर 108 दीपक मालपुए पर लगाकर प्रसादी भक्तों को वितरित की गई। 64 योगिनी की पूजा से जाने अनजाने हुए अपराध से मनुष्य मुक्त हो जाता है। सूर्योदय से पहले केसर इत्र के लेपन बाद पुन: नई साडी पहनाकर माता जी की विश्राम आरती की गई ।

इस विशेष पूजन में अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल, सचिव राकेश झंवर, मधुकांता खंडेलवाल, लखनलाल नागौरी ,अखिलेश गुप्ता (इंजी.), गुरमीतसिंह उबेजा, चंद्रशेखर मिश्रा, अलकेश गुप्ता, संजय शुक्ला, संतोष यादव, मंगलेश उपाध्याय, राकेश पालीवाल, आनंद गुप्ता, शरद खंडेलवाल, डॉक्टर राकेश शुक्ला, शैलेष पालीवाल सहित सैकडों भक्तगण शामिल थे।

अध्यक्ष सुभाष खण्डेलवाल, सचिव राकेश झंवर ने बताया कि 23 अक्टूबर गुरूवार भाईदूज एवं अन्नकूट महोत्सव के अंतर्गत मंदिर में 5.30 बजे मंगला आरती, 6 बजे कांकडा आरती, अन्नकूट महोत्सव अंतर्गत 256 प्रकार के नैवेद्य का भोग लगाया जाकर 10 बजे से 12 बजे भोग के दर्शन एवं भोग आरती होगी, दोपहर 4 बजे से अन्नकूट प्रसादी वितरण (अन्नकूट भंडारा) सायं 7 बजे तक होगा।

ट्रस्ट ने नगर की जनता से अनुरोध किया है कि वे अन्नकूट में पधारकर प्रसादी ग्रहण करें। उक्त जानकारी ट्रस्ट कोषाध्यक्ष शैलेष पालीवाल ने दी।